हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 16 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शनि जयंती पर नक्खी माई परिसर में महाशनि यज्ञ का आयोजन

बकौरी। मंडला जिले के बकौरी स्थित नक्खी माई मंदिर परिसर में स्थित शनि भगवान मंदिर में आगामी शनि जयंती (16 मई) के पावन अवसर पर महा शनि यज्ञ एवं शनि भगवान का नामकरण समारोह बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से आयोजित किया जाएगा। हिंदू धर्म में शनि भगवान को न्याय के देवता माना जाता है, जो प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा-अर्चना करने से जीवन के कष्ट, बाधाएँ एवं शनि दोष शांत होते हैं तथा सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। शनि जयंती के दिन पूजा एवं यज्ञ का विशेष महत्व बताया गया है। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 10 बजे से महा शनि यज्ञ एवं विधि-विधान से पूजन प्रारंभ होगा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए सायं 4 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया है। वहीं रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती संपन्न होगी। इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रसिद्ध कथा एवं पुराण वाचक पं. नीलू महाराज मुख्य पुरोहित के रूप में उपस्थित रहेंगे और अपने मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रम सम्पन्न कराएंगे। कार्यक्रम का आयोजन शनि मंदिर, नक्खी माई मंदिर परिसर, बकोरी में किया जा रहा है। उक्त आयोजन के निवेदक डी. के. सिंगौर (शिक्षक, मंडला) हैं, जिन्होंने सभी श्रद्धालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने एवं पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका 16 मई को मंडला आएंगे

मण्डला। छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका 16 मई को मंडला जिले के भ्रमण पर रहेंगे। जारी अधिकृत दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री डेका 16 मई को मंडला पहुंचेंगे और यहां आयोजित "आदि उत्सव-2026" कार्यक्रम में शामिल होंगे। दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल रमेन डेका 16 मई की सुबह 9 बजे एथनिक जोहार टूरिस्ट रिसोर्ट, सरोदा दादर चिल्फी से प्रस्थान कर लगभग 10:30 बजे मंडला सर्किट हाउस पहुंचेंगे। इसके बाद वे 11 बजे रामनगर स्थित चौगान के लिए रवाना होंगे, जहां 11:30 बजे "आदि उत्सव-2026" कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। राज्यपाल श्री डेका कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 1 बजे मंडला सर्किट हाउस लौटेंगे तथा भोजन एवं विश्राम के उपरांत शाम 4 बजे पुनः चिल्फी के लिए रवाना होंगे।

जनजातीय संस्कृति और लोक कला का आयोजन

संस्कृति और परम्परा को बढ़ावा देने पर जोर

*** रामनगर में दो दिवसीय आदि उत्सव का भव्य शुभारंभ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के रामनगर में आयोजित आदि उत्सव को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक से यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वैभवशाली विरासत को सहेजने के साथ-साथ आधुनिक उद्यमिता के माध्यम से उसे नए आयाम देने का सशक्त मंच बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो होली और दीपावली एक साथ आ गई हों। उन्होंने मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, उमरिया और छिंदवाड़ा अंचल से पहुंचे गोंड एवं बैगा समाज के भाई-बहनों का वर्चुअल स्वागत करते हुए आयोजन की भव्यता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आदि उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विरासत से विकास" के संकल्प को साकार करने वाला आयोजन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस आयोजन के लिए लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा सभी सहयोगियों को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, वरिष्ठ समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीरज मरकाम, पंकज तेकाम, श्रीमती कामिनी शाह, श्रवण परते, सरपंच श्रीमती सकुन मरावी, सरपंच श्रीमती विमला उइके, प्रदेश तथा देश के अन्य हिस्सों से आए 24 राज परिवार के सदस्य मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदि उत्सव ने वर्ष 2016 से निरंतर आयोजन के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और यह आयोजन सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रहा है। उन्होंने यहाँ उपस्थित कलाकारों, कारीगरों और उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा जनजातीय कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा को नई पहचान दे रही है। यह उत्सव जनजातीय बोली-भाषाओं को सहेजकर नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। मंडला की गोंडी और बैगा मातृबोलियों के संरक्षण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मांदल, गुदुम बाजा जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों और खगला जैसे पारंपरिक आभूषणों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य भी इस आयोजन के माध्यम से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला का गोंड आर्ट, कर्मा, सैला और रीना नृत्य तथा बैगा समाज का परधोनी नृत्य जनजातीय संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी सहित अन्य मोटे अनाजों के संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए विशेष अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव जनजातीय महापुरुषों और वीर नायकों बिरसामुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्याभील, राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, दलपतशाह की शौर्य गाथाओं का स्मरण कराने वाला प्रेरणादायी मंच भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय महापुरुषों के वंशजों का सम्मान करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है तथा यह आयोजन जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा राज स्तम्भ में ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन भी किया गया। साथ ही मोतीमहल परिसर में स्थित शिलालेख पर जनजातीय संस्कृति की परंपरा अनुसार पूजन किया गया।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओरांव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गोंडवाना राजवंश के इस ऐतिहासिक महल का जीर्णोद्धार कराने के बाद वर्ष 2016 से लगातार यह आदि उत्सव आयोजित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को सम्मान देने की पहल सबसे पहले पूर्व प्रधानमन्त्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी, जब 1999 में उन्होंने पहली बार जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। मुझे इस मंत्रालय के कामकाज का जिम्मा सौंपा। मंडला के इस महल के जीर्णोद्धार के लिए मंत्रालय ने 1.97 करोड़ रुपये स्वीकृत किये। आज प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन, आहार अनुदान, विभिन्न छात्रवृत्तियाँ, जनजातीय बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे अनेक काम जनजातीय समाज के कल्याण के लिए किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय का यह कार्यक्रम लोगों के लिये उत्सव है। इस उत्सव में परंपरागत नृत्य-गायन जैसे हमारी संस्कृति की पहचान को बढ़ावा मिलता है। हमारी युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को जानने और समझने का यह एक अच्छा अवसर होता है। उन्होंने कहा कि हमारी हार्दिक इच्छा है कि आगे भी आदि उत्सव का इसी तरह आयोजित होता रहे।

चुटका परमाणु परियोजना के तहत विस्थापित 6 परिवारों का हुआ पुनर्वास

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रशासन की पहल पर 4 मई के बाद शुक्रवार 15 मई को चुटका परमाणु परियोजना क्षेत्र से विस्थापित होने वाले 330 परिवारों में से 6 अन्य परिवारों का पुनर्वास हुआ। इससे पहले 4 मई को 27 परिवारों का पुनर्वास कराया गया था। शुक्रवार को नये घरों में प्रवेश के लिए आये सभी परिवारों को प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्राम गोंझी की आर एण्ड आर कालोनी में विधिवत गृह प्रवेश कराया। इनमें मुन्ना लाल आत्मज चरन लाल, चरन लाल आत्मज सेवा, मिठाई लाल आत्मज शंकर, कौशल बाई-विष्णु, सुनील आत्मज भुवनलाल तथा जानकी बाई-भुवन शामिल रहे। हर परिवार के मुखिया को अवार्ड राशि का प्रतीक चेक भी सौंपा और सभी परिवारों को नए घर में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। अवार्ड की राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जमा कराई गई है।

विदित है कि एनपीसीआईएल की चुटका परमाणु परियोजना के लिए ग्राम चुटका के 330 परिवार विस्थापित हो रहे हैं। इन सभी परिवारों का पुनर्वास आर एंड आर कॉलोनी गौंझीमाल में किया जा रहा है। अब तक दो चरणों में 33 परिवार नये घरों में प्रवेश कर चुके हैं। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क सहित सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अधिकारियों ने सभी संबंधितों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सभी 6 नव प्रवेशी परिवारों को नये घरों में प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान तहसीलदार मंडला हिमांशु भलावी एवं नायब तहसीलदार श्री राम सिंह उलाडी मौजूद थे।

आदि उत्सव में मेगा हेल्थ कैंप का केंद्रीय मंत्री जुएल ओरांव ने किया उद्घाटन

*** सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कराया अपना हेल्थ चेकअप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

रामनगर में आयोजित 'आदि उत्सव' के अंतर्गत लगाए गए मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओरांव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति रही। स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों का परीक्षण किया गया। उनके द्वारा यहां स्थित मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना भी की गई। कार्यक्रम के दौरान सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी मेगा हेल्थ कैंप में अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आदि उत्सव में पहुंचे लोग अपना स्वास्थ्य चेकअप जरूर कराएं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जुएल ओरांव एवं सांसद श्री कुलस्ते ने यहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में जनजातीय संस्कृति, शासकीय योजनाओं, हस्तशिल्प, लोक कला, कृषि, स्वास्थ्य एवं आजीविका से जुड़े विविध स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यहां एनआरएलएम विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं कोदो-कुटकी से बने व्यंजन भी चखे और इसकी सराहना की। यहां से मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंचने के दौरान जनजातीय नृतक दल द्वारा पारंपरिक वेशभूषा धारण कर ढोल-नगाड़े बजाकर पहुंचाया गया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने चौगान मढ़िया पूजा-अर्चना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

केबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने शुक्रवार को प्राचीन देव मढ़िया चौगान में परंपरागत तरीके से पूजन-अर्चन किया। उन्होंने प्रदेश की जनता के लिए सुख-समृद्धि की कामना करते हुए आशीर्वाद लिया। मंत्री श्रीमती उइके एवं सांसद श्री कुलस्ते द्वारा कन्याओं का पूजन भी किया। ग्रामीणों द्वारा सांसद श्री कुलस्ते को पारंपरिक तरीके से साफा भी बांधा गया। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, समाजसेवी वेदप्रकाश कुलस्ते, चौगान मढ़िया समिति अध्यक्ष श्रवण परते सहित अन्य पंडा-पुजारी मौजूद थे।

हादसे की आशंका | **नेशनल हाईवे पर ऑटो की धमाचौकड़ी, आम आदमी त्रस्त।**

अव्यवस्था से हर आधे घंटे में लगता है जाम

*** कोई देखने सुनने वाला नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

बिछिया नगर की ट्रैफिक व्यस्था पूरी चौपट हो चुकी है, अनेकों हादसों के बाद भी प्रशासन की खुली छूट ने पूरी व्यस्था को खराब कर दिया है, अगर प्रशासन थोड़ी भी हरकत दिखा दे तो व्यवस्था में कुछ सुधार हो सकता है, मगर प्रशासनिक अवहेलना के कारण व्यवस्था चौपट हो चुकी है साप्ताहिक बाजार के दिन नगर से गुजरने वाले नेशनल हाईवे राजमार्ग पर ऑटो की धमाचौकड़ी ने हालात बेकाबू कर दिया है हालत ये है कि आधी सड़क पर ऑटो स्टैंड बन गया है शेष आधी सड़क में वाहन हाइवे में पैदल चलने साइकल मोपेड बस और ओव्हर लोड वाहन चलते हैं इस दौरान व्यवस्था में कोई सरकारी अमला नहीं होता मनमाने चलते वाहन पर रोक लगा पाना मुश्किल समझ में आता है ऐसे में अगर ऑटो स्टैंड की हाइवे से हट के अलग व्यवस्था बना दी जाए तो व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

बस स्टैंड से साई तिराहा तक हाईवे पर ऑटो चालक सवारियों के लिए अंधाधुंध दौड़ लगाते हैं। हाईवे पर ही ऑटो रोककर सवारियां भरते हैं। इससे बार-बार जाम लगता है और भारी वाहनों की आवाजाही के बीच बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। इसी तरह दूसरी और बस स्टैंड से बस सवारी के कारण बहुत धीमी निकलती है फिर थाने के सामने दस मिनट रुकती फिर उसी रफ्तार से निकलती और इनके पीछे लंबा जाम लग जाता है साइड से निकलना मुश्किल हो जाता है।

साप्ताहिक बाजार के दिन दूर-दराज से आए ग्रामीण, महिलाएं और बुजुर्ग को हाईवे को पार करने में भारी परेशानी होती हैं। फिर इमरजेंसी वाहन एम्बुलेंस या आवश्यक सेवा वाहन तक को निकलने में दिक्कत होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कम से कम बाजार के दिन तो प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है, शहर के अंदर की चौक चौराहों पर और ऑटो की व्यवस्था बना दी जाए सड़कों से प्राइवेट वाहन हटा दे तो लगता है व्यवस्था में सुधार हो सकता हैं वही हाईवे पर से अतिक्रमण भी कम कर दिया जाए तो सड़क में पैदल यात्रा आसान हो सकती है।

आम आदमी ने मांग की है कि प्रतिदिन ना सही सप्ताह के कुछ दिन खासतौर पर साप्ताहिक बाजार के दिन हाईवे पर प्रशासन के कर्मचारियों की ड्यूटी लगे, और ऑटो के लिए अलग से स्टैंड बने साथ ही लापरवाह चालकों पर चालानी कार्रवाई हो जिससे व्यवस्था को सुधारा जा सके और दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

बम्हनी बंजर में प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई

*** सड़क तक फैला सामान हटवाया, दोबारा अतिक्रमण पर चालानी कार्रवाई की चेतावनी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

बम्हनीबंजर नगर में पुलिस एवं प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। लंबे समय से कई दुकानदार अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैला कर रख रहे थे, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासन की टीम ने बाजार पहुंचकर सड़क किनारे रखे सामान को हटवाया और दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि दोबारा अतिक्रमण न करें। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने कहा कि बाजार की व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और सड़क पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं थाना प्रभारी ने भी दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में व्यवस्था देखने को मिली।

खबर संक्षेप

जेसीबी मशीन के पैसा ड्राईवर ने वसूलते हुये मालिक से की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पनागर निवासी लखन लाल पिता चेतराम साहू उम्र 33 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी जेसीबी को मोहन कहार नामक ड्राईवर चलाता है। कुछ दिवस पहले परषोत्तम साहू निवासी डंगरहाई के धड़ाव मौजा वाले खेत में चलायी थी, मशीन चलाने के पैसा के पैसा मोहन ने कृषक से ले लिये गये थें। जब प्रार्थी ने वह पैसे अपने ड्राईवर से मांगे तो वह गंदी गंदी गालिया देने लगा। प्रार्थी का भाई राजेश आ गया उसने लड़ाई बरकाने का प्रसास किया तो आरोपी द्वारा दोनों के साथ लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ट्रेक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बोहानी निवासी विजय पिता धनपत नामक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब वह अपने साथी शरद व छोटू के साथ मोटर साईकिल क्रमांक MP04-MS-9724 से कही जा रहा था उसी दौरान करेली की ओर से आ रहे न्यू हलैंड कंपनी का बिना नं. का ट्रैक्टर जिसमें लाल कलर की सिड ड्रिल लगी थी का चालक आशीष रघुवंशी द्वारा अपने ट्रेक्टर को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मार दी गई जिसके चलते प्रार्थी सहित उसके साथियों को चोटे आने के चलते पुलिस ने आरोपी ट्रेक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

माँ बेटी के साथ की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम आमगांव छोटा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते ये बताया है कि मुहल्ला ही निवासी मुकेश व रजनीश लोधी आये दिन शराब पीकर प्रार्थिया के घर के सामने गाली बकते रहते है। बीते हुयें दिवस की बात है जब जब प्रार्थिया की माँ ममता बाई एवं नानी खाना खाकर सौ रहे थी। उसी समय मुकेश लोधी शराब के नशे में मेरे घर के सामने आया और अपनी फुल्की का ठेला मेरे घर के सामने लुडका दिया और गंदी गंदी गाली देने लगा तो मै प्रार्थिया की माँ ममता बाई व नानी कृष्णा बाई घर के बाहर निकले तो मुकेश व रजनीश लोधी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये प्रार्थिया व उसकी मां के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दांत से काटकर किया घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के जगदीश वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं जब पुरानी गल्ला मंडी हनुमान मंदिर में आरती कर रहा था तभी रामसिंह कुर्मी आया और बगैर किसी कारण के गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा लाठी से मारपीट की गई तथा अपने दांत से काटकर घायल कर दिया गया। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ट्रक की टक्कर से घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कौड़िया निवासी मुकेश पिता मोहन लाल धानक उम्र 39 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में गाडरवारा से अपने गांव कौड़िया मोटर साईकिल से जा रहा था उसी दौरान बीजासेन माता मंदिर के पास सामने से आ रहे एक ट्रक क्रमांक **MP**13-**GB**-3036 के चालक द्वारा अपने ट्रक को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मार दी गई। घटना में प्रार्थी को चोटे आने के चलते पुलिस द्वारा आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुये जांच में लिया गया है।

मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत टीआई चौहान की टीम के हाथ लगी बड़ी सफलता

जायलों में अवैध रूप से शराब परिवहन करने वाले तीन आरोपियों को पकड़ते हुये जप्त की गई दो लाख से अधिक कीमत शराब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

कहा जाता है कि जब क्षेत्र के पहरीदारी करने वाले किसी भी अधिकारी द्वारा अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ किया जाता है तो अवैध कृत्यों को संचालित करने वाले उसकी पकड़ से भागने में सफल हो ही नही सकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान की कार्य प्रणाली को देखते हुये जान पड़ रही है। इस समय देखा जावे तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों को मार्ग दर्शन में टीआई चौहान द्वारा अपनी टीम के साथ जिस तरह मादक पदार्थो का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जा रही है इस कार्यवाही के चलते बीते हुये दिनों में अनेक स्मैक सहित गांजे के तस्कर पुलिस की पकड़ से भागनें में असफल रहे है। इसी क्रम में बीते हुये दिनों टीआई चौहान की टीम द्वारा जायलो चार पहिया गाड़ी के माध्यम से अवैध रूप से शराब की तस्करी करने वाले आरोपियों को पकड़ते हुये उनके पास से दो लाख से भी अधिक कीमत की शराब जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। ज्ञात हो कि जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीना के मार्ग दर्शन में लगातार OPERATION EAGLE CLAW चलाया जा रहा है। इसी बीच बीते हुये दिवस हुये दिवस टीआई चौहान को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की कुछ लोगों द्वारा एक चार पहिया गाडी में अवैध रूप से शराब सप्लाई की जा रही है। इस सूचना से टीआई चौहान द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वही जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा आरोपियों को माल सहित पकड़ने के लिये दिये गये आदेश के चलते अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक एल एल डागुर के दिशा निर्देश तथा नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस तरह बनाई गई टीम में मुख्य रूप से उप निरीक्षक अंकित रावत, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, परमानंद, आरक्षक रूपेन्द्र चैबे, सुजीत बागरी, शिवम पटेल, दीपक राजपूत, बाल किशन रघुवंशी बल्लू, यश मेहरा, अक्षय श्रीवास्तव, ऐश्वर्य वेंकट, सृजल भार्गव, शुभम चैधरी, महेन्द्र बावरिया को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर की जानकारी के अनुसार नगर की अमर शांति कालोनी जमाडा रोड पर एक चार पहिया जायलों गाड़ी के साथ संदिग्ध स्थिति में जब तीन लोग दिखाई दिये गये तो टीआई चौहान की टीम द्वारा संदिग्धों की घेराबंदी करते हुये पकड़कर जब उन से पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा अपना नाम हीरालाल पिता डब्बू लाल बाथरे, निवासी खमतरा, जिला नरसिंहपुर व दूसरे युवक ने अपना नाम मुकेश पिता उमाशंकर कुर्मी, निवासी शास्त्री वार्ड गाडरवारा तथा तीसरे व्यक्ति ने अपना नाम आयुष पिता संतोष मिश्रा निवासी शंकरगढ़, प्रयागराज, (उत्तरप्रदेश) का होना बताया गया। इस तरह पुलिस टीम द्वारा जब इनकी जायलों गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसके अंदर पुलिस को 30 पेटी देशी मसाला, 20 पेटी देशी प्लेन इस तरह कुल 50 पेटी शराब जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 30 हजार रूपया की जप्त की गई। वही कार्यवाही में शराब की अवैध रूप से तस्करी करने के लिये उपयोग की जा रही जायलों गाड़ी को भी जप्त किया गया है जिसकी कीमत अनुमानित तौर पर 12 लाख 50 हजार रूपया आकी जा रही है। इस तरह टीआई अशोक चौहान की टीम द्वारा तीन आरोपियों के पास से 50 पेटी शराब सहित जायलों गाड़ी को जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुये आरोपियों को गिरप्तार करने के साथ साथ मा. न्यायालय में पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर इस बात का पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिरकार यह लोग इतनी भारी मात्रा में इस शराब का अवैध रूप से कहा लेकर जा रहे थें ओर कहा से लेकर आये हुये थें। वही दूसरी ओर टी आई चौहान द्वारा जिस तरह मादक पदार्थो के खिलाफ मुहिम चलाई जा रही है उसके चलते यह एक बड़ी सफलता हाथ लगने से नही चूक पाई है। इस संबंध में टीआई चौहान का कहना है कि उनकी यह मुहिम वरिष्ठ अधिकारियों के मार्ग दर्शन में लगातार जारी रहेगी।

सांईखेड़ा क्षेत्र में घटित हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने स्वास्थ्य सुविधाओं की सच्चाई को किया उजागर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। भले की सरकार द्वारा आमजन को अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की बात कहते हुये देश व प्रदेश में ऐयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की जा रही है। मगर गांव व कस्मों में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि मरीजों के लिये स्वास्थ्य केन्द्रो में डाक्टर ही मिल जावे तो बड़ी बात होगी। क्योंकि बीते हुये गुरूवार को सांईखेड़ा क्षेत्र में अलग अलग जगहों पर घटित हुई सड़क दुर्घटनाओं में जहां दो लोगों की मौत हो गई तो दूसरी ओर घायलों के उपचार के लिये सांईखेड़ा स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं की पोल खुलने में भी पीछे नही रही है..? कहने के लिये भले ही दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा को तहसील और नगर परिषद का दर्जा मिलने के समय क्षेत्र की जनता ने यह उम्मीद की थी कि अब यहां मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी और लोगों को बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था मिलेगी। लेकिन वर्तमान स्थिति इन उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है। गुरुवार को क्षेत्र में हुई घटनाओं ने एक बार फिर साईंखेड़ा की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।दोपहर के समय स्टेट

हाईवे-44 पर ग्राम देवरी के समीप एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ग्राम पीपरपानी निवासी रमेश राठौर (45 वर्ष) को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके कुछ समय बाद साईंखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम कैलकच्छ में ट्रैक्टर पलटने से उसी ग्राम निवासी जितेंद्र राजपूत (45 वर्ष) की मृत्यु हो गई। जब घायलों को लेकर लोग स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे तो वहां का नजारा देखते हुये लोग हैरत में पड़ने से नही चूके। इस संबंध में परिजनों का आरोप है कि समय पर उचित स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलने और स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं न होने के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।इसी दिन रात करीब 8 बजे देवरी के पास स्टेट हाईवे-44 पर एक और सड़क हादसा हुआ। बताया जाता है कि साईंखेड़ा निवासी एवं कुमकुम जनरल स्टोर के संचालक आशीष श्रीवास्तव बाइक से साईंखेड़ा लौट रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दो स्थानीय बाइक सवार उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साईंखेड़ा लेकर पहुंचे। लेकिन वहां एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं मिला। अस्पताल में केवल एक नर्स प्राथमिक उपचार करती नजर आई। यह दृश्य स्वयं इस बात का प्रमाण था कि जिस स्वास्थ्य केंद्र पर लगभग 50 गांवों की जनता निर्भर है, वहां आपात स्थिति से निपटने की बुनियादी व्यवस्था तक नहीं है।स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक समय साईंखेड़ा में पोस्ट मार्टम की सुविधा उपलब्ध थी, जिससे दुर्घटना या अन्य मामलों में स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी हो जाती थी। लेकिन वर्तमान में यह सुविधा भी समाप्त हो चुकी है। अब मृतकों के पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को लगभग 25 किलोमीटर दूर गाडरवारा जाना पड़ रहा है। इस तरह नगर परिषद व तहसील का दर्जा प्राप्त सांईखेड़ा में स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखने मिल रहा है। जहां रोगी कल्याण समिति का गठन न होना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है। इसी के चलते स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन, संसाधनों के रखरखाव और आवश्यक निर्णयों में गंभीर बाधाएं बनी रहीं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वह एम्बुलेंस है, जिसे कुछ साथ पहले तत्कालीन विधायक सुनीता पटेल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपलब्ध कराया गया था। मगर उचित रख रखाव और संचालन के अभाव में आज वह एम्बुलेंस कबाड़ बन चुकी है और चलने लायक नहीं बची। यदि समय पर रोगी कल्याण समिति का गठन किया गया होता और उसके माध्यम से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का संचालन होता, तो संभवतः यह सुविधा आज क्षेत्रवासियों के काम आ रही होती।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब साईंखेड़ा को तहसील और नगर परिषद का दर्जा दिया गया, तब स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत होने के बजाय कमजोर क्यों होती चली गईं? ग्रामीणों का कहना है कि जब साईंखेड़ा ग्राम पंचायत था, तब यहां अपेक्षाकृत बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध थीं और डॉक्टर भी मौजूद रहते थे। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति अस्पताल पहुंचने के बाद भी उपचार के लिए संघर्ष करते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है।

आज शनि जन्मोत्सव पर आयोजित होने अनेक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

शास्त्रों में बताया गया है कि शनि देव वह न्याय के देवता है कि यदि उनका जिसको आर्शीवाद मिल जावे तो उसकी चंद दिनों में सूरत बदलने से नही चूकती है। यदि किसी के ऊपर कुदृष्टि पड़ जावे तो राजा से भिखारी बनने में भी देर नही लगती है। इस तरह न्याय के देवता भगवान शनिदेव का आज शनिवार के दिन जन्मोत्सव व अमावस्या का त्रिवेणी संगम निश्चित तौर से लाभकारी साबित होने से नही चूकेगा। शनि जयंती व शनिवार के दिवस अमावस्या होने के चलते आज नगर सहित क्षेत्र के शनि मंदिरों में जहां भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूकेगी। वही स्थानीय बोदरी नाका स्थित शनि मंदिर मे आज 16 मई दिन शनिवार को शनि जयंती बडे ही धूमधाम के साथ मनाई जाएगी।जहां पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायँगे। मंदिर समिति के प्रहलाद उपाध्याय ने बताया कि शनि जयंती के दिन सुबह से ही मंदिर मे तेलाभिषेक, पूजन, हवन एवं आरती आदि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसके अलावा समय दोपहर 12 बजे से देर रात तक प्रसादी वितरण का आयोजन किया जायेगा। शनिदेव भक्त मंडल ने सभी श्रद्धालुओं से भगवान श्री शनिदेव के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ लेने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत ग्राम पुआरिया में आयोजित हुआ कृषक संगोष्ठी का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश सरकार के द्वारा प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्ग दर्शन में बीते हुये दिवस चीचली विकासखंड के ग्राम पुआरिया में कृषक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। कृषक संगोष्ठी में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत कृषि एवं उससे संबंद्ध विभागों कृषि विज्ञान केन्द्र पशुपालन, उद्यानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, मत्स्य विभाग की योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी किसानों को दी गई। इस दौरान सभी एलाइड विभागों के अधिकारी- कर्मचारियों, गौशालाओं के संचालक, सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधि और कृषकगण मौजूद थे। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा ने किसानों को समसामयिक सलाह देते हुये उन्होंने खरीफ फसलों की तैयारी के साथ ही संतुलित उर्वरकों के उपयोग की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग करने, परियोजना संचालक आत्मा आर.पी. झारिया ने ई- विकास प्रणाली, समन्वित कृषि, फसल विविधिकरण तथा प्राकृतिक खेती की विस्तार से जानकारी दी गई। वही वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के.पी. सिंह ने नरबाई प्रबंधन तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी और इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित भी किया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के डॉ. महेन्द्र सिंह पाल ने पशु टीकाकरण, उन्नत नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। उद्यानिकी विभाग की श्रीमती सीमा केवट ने किसानों को उद्यानिकी फसल जैसे साग- भाजी, फल आदि के उत्पादन के लिए प्रेरित किया। कृषक संगोष्ठी के पश्चात किसानों ने ग्राम पुआरिया में संचालित बायो रिसोर्स यूनिट का निरीक्षण किया, जिनके संचालक कुलदीप कौरव हैं। बीआरसी के द्वारा किसानों को गोबर एवं गौमूत्र से निर्मित जीवामृत, बीजामृत आदि प्राकृतिक घटकों का अवलोकन कराया। किसानों को इसे फसलों में उपयोग की जानकारी दी गई।

हजरत बरिया वाले बाबा का उर्स का आयोजन 25 मई को

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सर्वधर्म सद्भावना का प्रतीक कौड़िया रोड पर हजरत बरिया वाले बाबा का दरबार धार्मिक आस्था का केंद्र बिंदु है। बताया जाता है कि प्रतिवर्ष उनका उर्स मुबारक खुशनुमा अंदाज में अकीदत के साथ भव्यता से मनाया जाता है । इसी प्रकार से इस वर्ष आने वाले 25 मई को उर्स मुबारक के मौके पर हजरत बरिया वाले बाबा कमेटी की जानिब से शानदार तरीके से कार्यक्रम अयोजित किये जा रहे है । इस दिवस शाम 5 बजे से लंगर (भंडारा) प्रारंभ हो जाएगा एवं रात 9 बजे से महफिल ए शमा कब्बाली कार्यक्रम होगा जिसमे मशहूर कब्बाल यासिर फैजान हुसैन एंड पार्टी अपने कलाम पेश करेगी । बरिया वाले दरगाह के खादिम युनुस हुसैन ने बताया के हजरत बरिया वाले बाबा का उर्स उनके चाहने वालो व बुजुर्गाने दिन से निस्वत रखने वाले उत्साह के साथ उर्स मनाने जा रहे । उर्स के मौके पर दरबारी चादर व संदल सुबह 6 बजे किया जाएगा । उर्स व कब्बाली प्रोग्राम को लेकर बेहतर तैयारिया की जा रही है आयोजन कमेटी ने सभी लोगो से 25 मई को हजरत बरिया वाले बाबा कौड़िया रोड पवार हाउस के पास निरंजन वार्ड में होने जा रहे उर्स मुबारक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपेक्षा जताई गई है।

खुलरी से ग्राम कोठिया मजदूरी कार्य करने जा रहे मजदूरों से भरी पिकप पलटने से हुई एक की मौत अन्य साथ घायल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

वाहन चालक की जरा सी चूक गरीबों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये शुक्रवार को उस समय देखने मिली जब मजदूरों को भरकर ले जा रही एक पिकप गाड़ी कोठिया के पास पलटने के कारण उसमें सबार एक मजदूर की मौत हो गई तथा अन्य सात मजदूर घायल होने के कारण जिला चिकित्सालय उपचार के लिये ले जाया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम कोठिया के पास किसी कार्य के लिये ग्राम खुलरी से मजदूर बुलाये गये थें। वह सभी मजदूर ग्राम खुलरी से एक पिकप गाड़ी में सबार होकर ग्राम कोठिया जा रहा थें। इसी दौरान रास्ते में पिकप चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक चलाने के चलते वही अनियंत्रित हो गई और जाकर

एक खेत में पलट जाने के चलते दीपश महोबिया उम्र 26 साल की मौत हो गई। वही राहुल, परमलाल, रत्नेश ठाकुर, शंकर लाल जाटव, राजू, देवराज नामक मजदूर घायल बताये जाते है। सभी घायलों सहित मृतक को जीवित होने की उम्मीद के चलते उपचार हेतु जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां पर घायलों का उपचार जारी है। वही मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये पोस्ट मार्टम उपरांत पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये आगे की जांच के लिये डायरी सिहोरा पुलिस चौकी भेजने की खबर है।

यातायात नियमों की उड़ रहीं धज्जियाँ

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं, जहाँ भी नजर दौड़ाओ उधर ही यातायात नियम टूटते हुये नजर आ रहे हैं, कभी छोटे-छोटे बच्चे दोपहिया वाहन चलाते नजर आ रहे हैं तो कभी युवा वर्ग भी दो पहिया वाहनों पर तीन से लेकर चार सवारी बैठाकर फर्राटे मारते सामने से निकलते हुये देखे जा सकते हैं, इतना ही नहीं कभी काल पुलिस द्वारा चैकिंग की औपचारिकता निभाई जाती है तो मात्र कागजों की खानापूर्ति कर सौ पचास में समझौता कर वाहनों को छोड़ दिया जाता है। यदि पुलिस अपनी जागरूकता दिखावे तो लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है मगर जहाँ तहाँ नाबालिगों द्वारा दौड़ाये जा रहे वाहनों को देखकर तो यही अनुमान लगाया जा सकता है कि पुलिस को नगर की यातायात व्यवस्था से कुछ लेना देना नहीं है। वहीं दूसरी ओर नगर में जीपों व मैजिक गाडियों को ट्रैक्टर ट्रालियों में किस तरह सामान लाद कर व सवारी भरे दौड़ाये जा रहे है यह क्षेत्र की सड़कों पर आसानी से देखा जा सकता है जिसका जीता जागता उदाहरण क्षेत्रों के मार्ग पर देखने को मिलता है, जो प्रतिदिन पुलिस की ड्यूटी व्यवस्था के बाद भी पुलिस के नुमाइंदों के सामने से गुजर रहीं हैं और वे देखते रह जाते हैं,जनापेक्षा है कि शासन प्रशासन इस ओर ध्यान दे।

ट्रेक्टर ट्रालियों में ओवर लोडिंग हो रहे मिट्टी परिहवन से सड़कों पर गिरने वाली मिट्टी बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्ध ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुलमुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबालिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भकर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है, स समय नगर की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? यदि गौर किया जावे तो इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है, क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है...? जिसके चलते जहां नगर के लोग इन ट्रेक्टर चालको की मनमानी से परेशान देखे जा रहे है।

गांवों में लकड़ी के खम्बों के भरोसे चल रही बिजली लाईनों से बन रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है।

खबर संक्षेप

जनगणना कार्यों का जिला जनगणना प्रभारी ने किया निरीक्षण

शहडोल। जिले में संचालित जनगणना कार्यों की प्रगति का जायजा लेने हेतु जिला जनगणना प्रभारी गिरीश शुक्ला ने जैतपुर चार्ज अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खमीडोल, बरतर, केसवाही, सेमरीहा, जमगांव, टेंघा, खमरिहा एवं ढाखर सहित अन्य ग्रामों में पहुंचकर मकान सूचीकरण एवं जनगणना कार्यों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान श्री शुक्ला ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए प्रत्येक परिवार एवं मकान की जानकारी पूरी सावधानी और शुद्धता के साथ दर्ज की जाए, ताकि भविष्य की विकास योजनाओं के लिए सही आंकड़े उपलब्ध हो सकें। उन्होंने प्रगणकों को निर्देशित किया कि घर-घर पहुंचकर निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी दर्ज करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही से बचें। साथ ही सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण करने एवं डाटा संकलन की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर जैतपुर चार्ज के कंट्रोल रूम प्रभारी विरेंद्र सिंह एवं सुपरवाइजर सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। जिला जनगणना प्रभारी गिरीश शुक्ला ने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है, इसलिए इसमें पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है।

ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन जनरेट कर किसान प्राप्त कर सकते हैं रासायनिक उर्वरक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है तथा किसानों को आवश्यकता अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रहीं है। जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके और सुपर फास्फेट सहित विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण मौजूद है। किसान ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन जनरेट कर निजी विक्रेता, सहकारी समिति अथवा डबल लॉक केंद्रों से खाद प्राप्त कर सकते हैं।

खाद प्राप्त करने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य नहीं है। यदि किसी किसान के पास फार्मर आईडी नहीं है, तो वह ई-विकास पोर्टल पर आधार सत्यापन के माध्यम से अपनी भूमि संबंधी जानकारी दर्ज कर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। संबंधित राजस्व अधिकारी द्वारा सत्यापन के बाद किसान पोर्टल पर लॉगिन कर ई-टोकन प्राप्त कर सकेगा। जिले में खाद वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीईओ ने जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा की

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति की उपस्थिति में जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाएं जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संचय जन भागीदारी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उददेश्य से बैठक आयोजित की गईं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जयसिंहनगर अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। उन्होंने कहा कि जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों की फोटो पोर्टल में अपलोड़ करें। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए किए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न विभागों को जो दायित्व सौंपे गए है। संबंधित विभाग जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करें। ग्रामीण क्षेत्रों में जल चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देकर सहभागी बनाएं। ग्राम पंचायतों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। जल निर्मित जल संरचनाओं को राजस्व रिकार्ड में अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। अभियान को गति देने हेतु रैलियों, विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन निरंतर किया जाए।

भीषण आंधी-तूफान से जनजीवन प्रभावित, जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर घंटों जाम

शहपुरा। क्षेत्र में शुक्रवार को आए तेज आंधी-तूफान ने व्यापक असर डाला। खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर करौंदी गांव के समीप कई यूकेलिप्टस के पेड़ अचानक उखड़कर सड़क पर गिर पड़े। इससे हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मौसम में अचानक बदलाव के बाद तेज रफ्तार हवाएं चलने लगीं, जिससे सड़क किनारे खड़े बड़े-बड़े पेड़ जड़ समेत उखड़ गए। कई पेड़ बिजली तारों पर भी गिर पड़े, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। घटना के चलते जबलपुर और अमरकंटक के बीच संचालित बसें, ट्रक तथा निजी वाहन लंबे समय तक जाम में फंसे रहे।सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क से पेड़ों को हटाने तथा यातायात बहाल करने का कार्य शुरू किया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मार्ग पूरी तरह सुचारु नहीं हो पाया था।प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि मौसम सामान्य होने तक इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही लगातार बदल रहे मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क और सावधान रहने की सलाह भी दी गई है।

नया भवन तैयार फिर भी पुराने स्कूल में पढ़ने को मजबूर छात्र-तूफान में उड़ गई स्कूल की छत

शहपुरा। शुक्रवार शाम आए भीषण आंधी-तूफान और तेज बारिश ने नगर की शिक्षा व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने ला दी। शहपुरा स्थित सांदीपनि विद्यालय में तेज हवाओं के चलते कक्षा 1 से 4 तक के कमरों के ऊपर लगाया गया भारी टीन शेड और लोहे के एंगल उखड़कर स्कूल परिसर में जा गिरे। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवाओं के बीच टीन शेड हवा में उड़ता हुआ मैदान में गिरा जबकि लोहे के भारी एंगल भी उखड़ गए। इससे विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति साफ दिखाई देने लगी। राहत की बात यह रही कि घटना स्कूल की छुट्टी के बाद हुई। यदि उस समय बच्चे कक्षाओं में मौजूद रहते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बारिश के कारण विद्यालय के कई कमरों में पानी भर गया और जगह-जगह से छत टपकती रही। पूरा परिसर जलभराव की स्थिति में नजर आया। वर्षों पुराने भवन की खराब हालत सामने आने के बाद अभिभावकों और नगरवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भवन में बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं वह लंबे समय से खस्ताहाल है। बरसात में पानी के रिसाव को रोकने के लिए विद्यालय प्रबंधन ने लाखों रुपये खर्च कर टीन शेड लगवाया था लेकिन पहली ही तेज आंधी में पूरा ढांचा गिर गया। इससे निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

नगरवासियों का कहना है कि नया विद्यालय भवन बनने के करीब दो वर्ष बाद भी वहां कक्षाएं शुरू नहीं होना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। लोग लगातार बच्चों को नए भवन में शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठा सके हैं।घटना के बाद अभिभावकों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते विद्यालय को नए भवन में स्थानांतरित नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन बच्चों की सुरक्षा को कितनी गंभीरता से लेता है।

जैतपुरी में सचिव और सरपंच की गैरहाजिरी से ग्रामीणों में नाराजगी

शहपुरा। डिंडौरी जिले के मेंहदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतपुरी में पंचायत व्यवस्था लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन में अधिकांश समय ताला लटका रहता है जिससे लोगों को जरूरी कामों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत भवन अब केवल शोपीस बनकर रह गया है। पंचायत में ना तो सचिव नियमित रूप से बैठते हैं और ना ही सरपंच की मौजूदगी रहती है। पंचायत कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को बंद कार्यालय देखकर वापस लौटना पड़ता है। कई ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए जनपद पंचायत मेंहदवानी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जैतपुरी पंचायत के सचिव को मनेरी पंचायत का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इसी कारण वे अक्सर दूसरी पंचायत में होने का हवाला देकर जैतपुरी से अनुपस्थित रहते हैं। लोगों का कहना है कि फोन लगाने पर भी सचिव की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलता जबकि पंचायत भवन में ताला लटका रहता है।ग्रामीणों का आरोप है कि जन्म प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र पेंशन राशन और अन्य पंचायत संबंधी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। भीषण गर्मी में लोग अपनी समस्याओं को लेकर भटकने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत भवन में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर पंचायत व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को समय पर सुविधाएं मिल सकें।

आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से बदला मौसम, भीषण गर्मी से मिली राहत

शहपुरा। क्षेत्र में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, बारिश तथा ओलावृष्टि ने लोगों को चौंका दिया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को मौसम बदलने के साथ बड़ी राहत महसूस हुई।दोपहर बाद अचानक आसमान में घने काले बादल छा गए। इसके बाद तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। कई इलाकों में ओले गिरने से लोग हैरान रह गए। तेज हवा के चलते सड़क किनारे पेड़ों की डालियां झुक गईं, वहीं कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की सूचना भी मिली है। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरे क्षेत्र का मौसम सुहावना हो गया। गर्मी और उमस से बेहाल लोग बारिश के बाद राहत महसूस करते नजर आए। बच्चों और युवाओं ने बारिश का आनंद लिया, जबकि किसानों ने इसे फसलों के लिए लाभकारी बताया।हालांकि तेज आंधी और ओलावृष्टि के कारण कुछ किसानों ने फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी मौसम में बदलाव और बारिश की संभावना व्यक्त की है।

सात साल से खड़े बिजली पोल फिर भी गांव अंधेरे में कई शिकायतों के बाद भी नहीं जागा विद्युत विभाग

शहपुरा। सरकार गांव-गांव तक बिजली पहुंचाने के दावे कर रही है लेकिन शाहपुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत पिपरिया अंतर्गत कौआझिर गांव आज भी अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर है। गांव में सात वर्ष पहले बिजली पोल तो लगा दिए गए लेकिन आज तक उन पर विद्युत लाइन नहीं डाली गई।ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवेदन और मौखिक शिकायत देकर समस्या से अवगत कराया गया लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हालत यह है कि गांव के लोग आज भी मूलभूत बिजली सुविधा से वंचित हैं।

ग्रामीण धन सिंह सहित अन्य लोगों द्वारा मुख्य अभियंता एमपीईबी डिंडौरी को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि करीब सात साल पहले गांव में सर्वे के बाद बिजली पोल लगाए गए थे। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जल्द ही गांव में बिजली पहुंच जाएगी लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण आज तक लाइन नहीं बिछाई गई।ग्रामीणों का कहना है कि विभाग केवल कागजों में योजनाएं पूरी दिखा रहा है जबकि जमीनी स्थिति बिल्कुल अलग है। बिजली सुविधा नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज और दैनिक जीवन में भी ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर सात वर्षों से विभाग किस बात का इंतजार कर रहा है। पोल लगाने के बाद भी लाइन नहीं डालना विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विद्योदय गौशाला का किया निरीक्षण- जल संरक्षण और जैविक गतिविधियों को बढ़ावा देने के दिए सुझाव

शहपुरा। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने जिले की ग्राम पंचायत हिनौता स्थित जैन समाज द्वारा संचालित विद्योदय गौशाला और नव निर्मित उद्यान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं गौवंश की देखभाल स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों का अवलोकन कर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।कलेक्टर ने कहा कि विद्योदय गौशाला केवल गौसेवा का केंद्र नहीं बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण बन सकती है। उन्होंने परिसर में वर्षा जल संचयन व्यवस्था को और मजबूत करने भूजल स्तर बढ़ाने के लिए पुनर्भरण कुंड और सोख्ता गड्ढों के निर्माण के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में जल संकट से बचाव के लिए प्रभावी उपाय अपनाने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में नीम पीपल बरगद अर्जुन आंवला और करंज जैसे पर्यावरण हितैषी एवं औषधीय पौधों के रोपण का सुझाव दिया। कलेक्टर ने गोबर से जैविक खाद तैयार करने तथा जैविक उत्पाद विकसित करने पर बल देते हुए गौशाला को आत्मनिर्भर और पर्यावरण अनुकूल मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही। कलेक्टर ने नव निर्मित उद्यान का भ्रमण करते हुए वहां औषधीय पौधों की वाटिका विकसित करने पक्षियों के लिए जलपात्र रखने तथा सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से यह स्थल पर्यावरण संरक्षण के साथ आमजन के लिए प्रेरणादायी केंद्र बन सकता है।निरीक्षण के दौरान गौशाला संचालक संजय जैन सम्यक जैन रितेश जैन मितेश जैन और दर्शन जैन उपस्थित रहे। उन्होंने गौशाला की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी कलेक्टर को दी।इस अवसर पर जिला व्यापारी संघ के पदाधिकारी जितेंद्र दीक्षित मुकेश तिवारी रत्नेश बिलैया सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। निरीक्षण के अंत में कलेक्टर ने जैन समाज द्वारा गौसेवा पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विद्योदय गौशाला आने वाले समय में जिले के लिए प्रेरणास्रोत और आदर्श केंद्र के रूप में स्थापित होगी।

आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चे सीख रहे खेल कौशल

डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित "आरोह-2026" ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर जिले में उत्साहपूर्वक संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान, प्राचार्य दुर्गा मरावी तथा छात्रावास अधीक्षक सोम परस्ते के मार्ग दर्शन में विकासखंड बजाग में 5 मई से शिविर लगातार जारी है। एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को शारीरिक व्यायाम के साथ-साथ वॉलीबॉल एवं कबड्डी खेल की बेसिक और एडवांस तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षक श्री सुखना सिंह पंद्राम एवं आकाश मरावी द्वारा खिलाड़ियों को खेल के विभिन्न कौशल सिखाए जा रहे हैं। शिविर में खिलाड़ी बच्चे पूरे उत्साह, अनुशासन और ऊर्जा के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। नियमित अभ्यास से बच्चों में फिटनेस, एकाग्रता, आत्मबल एवं खेल भावना का विकास हो रहा है। साथ ही खिलाड़ी अपने हुनर को निखारते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।

सिलाई सेंटर से आत्मनिर्भर बनीं आरती बर्मन - स्व सहायता समूह ने खोला तरक्की का रास्ता

डिंडौरी।

विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया डोंगरी की निवासी श्रीमती आरती बर्मन आज ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। रेवा आजीविका स्वसहायता समूह से जुड़कर उन्होंने अपने हुनर को पहचान दी और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है।पहले आरती बर्मन घर पर ही सीमित स्तर पर सिलाई का कार्य करती थीं, जिससे उन्हें लगभग 500 से 1000 रुपये प्रतिमाह की आय होती थी। कम आमदनी के कारण परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। वे अपना सिलाई कार्य बढ़ाकर दुकान खोलना चाहती थीं, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पूंजी की कमी थी।

इसी दौरान उन्हें गांव में संचालित स्वसहायता समूह की जानकारी मिली। समूह से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराए जाने की बात जानकर उन्होंने रेवा आजीविका स्वसहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया।समूह से जुड़ने के बाद उन्हें सीसीएल ऋण प्राप्त हुआ, जिसकी मदद से उन्होंने अपने घर में सिलाई सेंटर की शुरुआत की। इसके लिए उन्होंने नई सिलाई मशीन खरीदी और आसपास की बेरोजगार लड़कियों को सिलाई प्रशिक्षण देना शुरू किया। वर्तमान में कई लड़कियां प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।धीरे-धीरे उनके कार्य का विस्तार हुआ और उन्होंने सिलाई सेंटर में कुल पांच मशीनें स्थापित कर लीं। साथ ही उन्होंने एक छोटी मनीहारी दुकान भी शुरू की, जिससे अतिरिक्त आय होने लगी। आज उनकी मासिक आमदनी लगभग 12 हजार से 15 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। बढ़ी हुई आय से उन्होंने पक्का मकान भी बनवा लिया है और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।आरती बर्मन की सफलता की कहानी यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहयोग और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं बल्कि अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बन सकती हैं।

साइकिल और ई-स्कूटी से दफ्तर पहुंचे अधिकारी

डिंडौरी।

भारत सरकार के निर्देशों एवं कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले में पेट्रोल-डीजल बचत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने वैकल्पिक परिवहन अपनाकर आमजन को प्रेरणादायी संदेश दिया।अपर कलेक्टर जेपी यादव साइकिल से कार्यालय पहुंचे जबकि एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन इलेक्ट्रिक स्कूटी से दफ्तर आए। अधिकारियों ने ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नागरिकों से भी वैकल्पिक परिवहन साधनों को अपनाने की अपील की।कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों में शासकीय वाहनों का उपयोग केवल शासकीय कार्यों तक सीमित रखने अनावश्यक वाहन संचालन पर रोक लगाने तथा एक ही दिशा में जाने वाले अधिकारियों के लिए वाहन साझा व्यवस्था अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कम दूरी के कार्यों के लिए पैदल साइकिल और ई-वाहनों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकों को बढ़ावा देने शासकीय वाहनों की नियमित सर्विसिंग टायर प्रेशर जांच तथा प्रतीक्षा के दौरान वाहनों का इंजन बंद रखने जैसे उपाय भी लागू किए जा रहे हैं ताकि ईंधन दक्षता बनाए रखी जा सके।इसके अलावा कार्यालयों में डिजिटल फाइलिंग ई-ऑफिस और ऑनलाइन संवाद प्रणाली के अधिकतम उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। जनजागरूकता के उद्देश्य से "ईंधन बचाओ पर्यावरण बचाओ" अभियान चलाकर विद्यालयों महाविद्यालयों और ग्राम पंचायतों में ऊर्जा संरक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व भी है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 16 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

प्रभारी मंत्री सलाहकार समिति की बैठक लेंगे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री और उपाध्यक्ष जिला विकास सलाहकार समिति श्री गोविंद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में 16 मई 2026 को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी जिला प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी सहित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

श्रद्धा ने परिवार का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्राम पंचायत खरमान कला निवासी शिवकुमार दुबे की पुत्री श्रद्धा दुबे ने 12 वी क्लास सी बी एसई में 91,2 प्रतिशत आने पर दुबे परिवार का नाम रोशन करने पर शुभ चिंतकों ने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित कर उन्नति की कामना की।

अस्सू नेमा प्रदेश सचिव नियुक्त

सिंहपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कमले की सहमति से नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निशंक जैन ने नरसिंहपुर जिले के वरिष्ठ पार्षद अस्सू नेमा को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। पार्षद अस्सू नेमा लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय हैं और नगरीय क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर मुखर रहे हैं।

स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसानों से प्राथमिकता के आधार पर गेहूं की खरीदी सुनिश्चित की जाए

तौल प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सटीक बनाए रखा जाए

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गेहूं खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को गोटेगांव तहसील के अंतर्गत शिव शक्ति वेयर हाउस पिंडरई एवं न्यू कमल स्टोरेज गोहचर का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान गेहूं खरीदी व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसानों से प्राथमिकता के आधार पर गेहूं की खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने भंडारित अनाज के समय पर उठाव एवं उसके सुव्यवस्थित रखरखाव करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तौल प्रक्रिया को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पारदर्शी एवं सटीक बनाए रखने को कहा। खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छाया एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि किसानों को खरीदी केन्द्रों में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उनकी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोटेगांव श्रीमती संघमित्रा गौतम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जूम लिंक के माध्यम से उपार्जन की समीक्षा की

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार

को सभी एसडीएम और जिला उपार्जन समिति के सदस्यों की जूम लिंक के माध्यम से उपार्जन की समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन के सुचारू क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह को अवगत कराया गया कि जिले में अभी तक 20 हजार 263 किसानों से समर्थन मूल्य पर 13 लाख 18 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी जा चुकी है। साथ ही 13 हजार 209 किसानों के बैंक खातों में 168 करोड़ की राशि का भुगतान ऑनलाइन के माध्यम से किया जा चुका है। किसानों से गेहूं खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। 23 मई तक स्लॉट बुकिंग किसानों से करीब 5 लाख क्विंटल गेहूं की खरीदी होने की संभावना है, जिसके लिए वारदानो सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। जिले में 1500 गठान वारदानों की उपलब्धता कराने के संबंध में शासन को पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने शुक्रवार को उपार्जन केन्द्र राधारमण वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों को टोकन वितरित करने, श्रमिकों की संख्या बढ़ाने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात सीईओ ने न्यू चैकसे वेयर हाउस सिंहपुर का निरीक्षण किया।

केन्द्रों का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों के निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में नायब तहसीलदार सुश्री चंदन तिवारी ने पाली वेयर हाउस बीतली में बनाए गए खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। तहसीलदार करेली पारसनाथ मिश्रा ने सीडब्ल्यूसी वेयर हाउस कठौतिया-करेली में बनाए गए खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बारदानों और की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नायब तहसीलदार सुश्री अनु जैन ने गेहूं खरीदी केन्द्र केएनजी वेयर हाउस नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसानों से उनकी समस्याएं पूछी। नायब तहसीलदार राजीव नेमा ने गोटेगांव विकासखंड के अंतर्गत आने वाले मां रेवा वेयर हाउस बगासपुर में खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया।

चना एवं मसूर भुगतान का कार्य सतत जारी है

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में रबी विपणन वर्ष अंतर्गत चना एवं मसूर उपार्जन का कार्य शासन के निर्देशानुसार सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में चना एवं मसूर उपार्जन के लिए कुल 18 हजार 473 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। इनमें से अब तक 7 हजार 123 किसानों के द्वारा स्लॉट बुक किए गए हैं। अद्यतन स्थिति अनुसार 2 हजार 234 किसानों से 4316.70 मीट्रिक टन चना एवं 1612 किसानों से 2607.25 मीट्रिक टन मसूर का उपार्जन किया जा चुका है। उपार्जन का कार्य निरंतर जारी है। उपार्जित उपज के भुगतान की प्रक्रिया भी सतत जारी है। अब तक 23.73 करोड़ के ईपीओ जनरेट हो चुके हैं, जिसमें से किसानों को लगभग 14.75 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर पर ग्राम पंचायत मुर्गाखेड़ा के अंतर्गत आमापानी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। पैरा लीगल वालिटीयर आशुतोष स्वामी ने ग्रामीणों को निशुल्क वकील की सहायता ऐसा व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम है उनको निशुल्क सरकारी वकील मिलता है न्याय सब के लिए एक जैसा है, इसमें नागरिकों को शीघ्र, सस्ता, सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जाता है एवं समय समय पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन होता है माह 12 सितंबर 2026 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा इसमें सभी प्रकार के प्रकरण हल किये जाते हैं ग्रामीणों को न्यायालय की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी।

ग्राम पुआरिया में कृषक संगोष्ठी सम्पन्न हुई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्राम पुआरिया में शुक्रवार को कृषक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। कृषक संगोष्ठी में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत कृषि एवं उससे संबंद्ध विभागों कृषि विज्ञान केन्द्र पशुपालन, उद्यानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, मत्स्य विभाग की योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी किसानों को दी गई। वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा ने किसानों को खरीफ फसलों की तैयारी के साथ ही संतुलित उर्वरकों के उपयोग की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग करने, परियोजना संचालक आत्मा आर.पी. झारिया ने ई- विकास प्रणाली, समन्वित कृषि, फसल विविधिकरण तथा प्राकृतिक खेती की विस्तार से जानकारी दी गई। के.पी. सिंह ने नरबाई प्रबंधन तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी और इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित भी किया। बीआरसी के द्वारा किसानों को गोबर एवं गौमूत्र से निर्मित जीवामृत, बीजामृत आदि प्राकृतिक घटकों का अवलोकन कराया।

भारतीय नारियों की शक्ति समर्पण और अटूट प्रेम का प्रतीक है बट सावित्री व्रत आज

तेंदूखेड़ा। हमारी हिन्दु परंपरा में अनेकों व्रत और पर्व मनाये जाते हैं ।हमारी सनातनी ऋषि परंपरा के सभी व्रतों का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों की विशिष्ट भूमिका को ध्यान में रखते हुए हमारे हिंदू परंपरा में कई वृक्षों को पूजनीय और देव स्वरूप मानकर वृक्षों का संरक्षण संवर्धन होता है। व्रत पर्वों की श्रृंखला में बट सावित्री का व्रत सौभाग्यवती महिलाओं का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण व्रत माना जाता है। यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को रखा जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु सुख समृद्धि उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना से निराहार व्रत करती हैं।हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य पं. प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष बट सावित्री का व्रत 16मई2026 शनिवार को मनाया जाएगा।बरगद के वृक्ष में त्रिदेव ब्रह्मा विष्णु और शिव जी का वास माना जाता है। व्रतीनारियां इस दिन श्रद्धा भक्ति के साथ बट वृक्ष का विधिवत पूजन करके कच्चा सूत लपेटकर बरगद की परिक्रमा करती हैं। सावित्री सत्यवान की कथा श्रवण करती हैं पौराणिक कथा के अनुसार पतिव्रता देवी सावित्री ने अपने पातिव्रत धर्म और तप के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किये थे उसी समय से यह व्रत अखंड सौभाग्य और पति की रक्षा का प्रतीक माना जाने लगा।इस दिन पितृ कार्य के लिए श्राद्ध अमावस्या और शनि जयंती का महापर्व भी रहेगा।

विद्युत विभाग की उदासीनता से गई दो पशुओं की जान

तेंदूखेड़ा। इन दिनों विद्युत विभाग की लचर व्यवस्था के बीच आम उपभोक्ता परेशान बना हुआ है। वहीं झूलते विधुत तारों से मानव जीवन के साथ मूक प्राणियों का जीवन भी काल कल्वित हो रहा है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार समीपी ग्राम कढैली इमलिया में 11 के वी के तार ग्राम के समीप खेत में झूल रहे थे।जिसमें करेंट प्रवाहित हो रहा था उसी तार से पूरे ग्राम की विद्युत व्यवस्था सुचारू थी जिसकी जमीन से ऊंचाई लगभग 3 फुट ऊपर थी जिसकी सूचना विद्युत विभाग के आला अधिकारियों को ग्राम पंचायत सरपंच देवेंद्र पटेल द्वारा विभाग के सोशल मीडिया ग्रुप पर मंगलवार को दी गई थी परंतु विभाग की घोर उदासीनता के चलते उस जानकारी को अनदेखा करते हुए मौके पर कोई त्वरित कार्यवाही नहीं की गई। जिसके कारण वहां विचरण कर रहे दो मवेशियों को चपेट में आ जाने के कारण घटना स्थल पर ही मौत हो गई।सोचनीय विषय है कि एक और जहां इस भीषण गर्मी में विभाग के द्वारा आए दिन मेंटेनेंस के नाम पर घंटे विद्युत को अवरुद्ध किया जाता है परंतु आए दिन ग्रामों में अनेकों घटनाएं घटित हो रही है। जब विभाग मेंटेनेंस के नाम पर घंटे सप्लाई बाधित कर रहा है तो सुधार कार्य किस दिशा में हो रहा है।

बच्चे अपने लक्ष्य तय करें

ब्रह्माकुमारीज में समर कैंप का आयोजन

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा के प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय केंद्र में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बीके प्रीति दीदी ने कहा किसी की सफलता को देखकर किसी से ईर्ष्या नहीं करना। सफल होना है तो ईर्ष्या नहीं रेस करो। हर एक बच्चे को अपने जीवन में कोई लक्ष्य अवश्य निर्धारित करना चाहिए। लक्ष्य निर्धारित करने से आगे बढ़ने का मार्ग सुनिश्चित हो जाता है। इससे मन यहां वहां भटकने की अपेक्षा शांत चित होकर एक ही दिशा में अर्थात लक्ष्य को प्राप्त करने पर विचार करेगा जीवन में लक्ष्य नहीं बनाया तो उम्र में बड़े तो हो जाएंगे किंतु सफल व्यक्ति नहीं कहलायेंगे। आंतरिक स्वरूप को निखारने के लिए भी ऐसे पार्लर की आवश्यकता है जहां अंतरमन को दिव्य गुणों और मानवीय मूल्यों से सजाया जा सके। 11 मई से 20 भी तक चलने वाले इस शिविर में तेंदूखेड़ा सिविल न्यायालय से न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय शिवकांत कुशवाहा ने कहा कि हमें अपने आचरण व्यवहार और सोच को सकारात्मक और रचनात्मक बनाकर बुरी आदतों व्यसनों आदि से स्वयं को मुक्त करना ही सच्चे अर्थों में व्यक्तित्व का विकास करना है। तंबाकू के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए कहा किसी भी प्रकार का नशा न करने का संकल्प करना है। हमारे शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए राजयोग मेडिटेशन की साधना बहुत ही उपयोगी है।जीवन में सम्मान एवं आज्ञाकारिता का महत्व बताते हुए उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें अपने बड़ों का आदर करना चाहिए।

शनि जयंती और शनि अमावस्या आज

तेंदूखेड़ा। हमारी धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को शनि जयंती का महापर्व मनाया जाता है। नवग्रहों में शनिदेव का विशिष्ट स्थान है। शनिदेव को न्याय के देवता कर्मफल के दाता कहा जाता है।शनि जयंती का योग 13 वर्ष पूर्व 2013 में बना था। हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि अभी शनिदेव का मीनराशि में गोचर चल रहा है। जिससे कुंभ मीन और मेष राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती और सिंह राशि धनु राशि वालों पर शनि की अढैया दशा चल रही है इन सभी राशि वालों को शनि की कृपा प्राप्ति के लिएं शनि जयंती पर बहुत सुंदर संयोग बन रहा है। इस दिन किया गया जप हवन दान शनि कृपा को अनंत गुना फलदायी बनाने वाला होगा। इन राशि वालों के अलावा जिन लोगों की कुंडली में शनि अशुभफलदायक स्थिति में हो नीच राशि अथवा शत्रु राशि में स्थित हो शनि की महादशा अंतर्दशा चल रही हो ऐसे जातक भी शनि जयंती पर शनिशांति के प्रयोग करके शनि कृपा को प्राप्त कर सकते हैं ।

चक्काजाम की भनक लगते ही सजग हुए विद्युत अधिकारी

तेंदूखेड़ा। समीपी ग्राम हीरापुर में विद्युत समस्या से जूझ रहे उपभोक्ताओं द्वारा लगातार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा रहा था इसके बाद भी जब सुधार नहीं हुआ तो हीरापुर के वाशिंदे मुख्य गेट पर चक्काजाम करने जैसे ही शुक्रवार को अलसुबह तैयार होते उसके ही पूर्व अधिकारियों ने समय की नजाकत को देखते हुए ग्रामीणों को लिखित आश्वासन देकर शीघ्र सुधार की बात कही है। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम के सरपंच कुलदीप दुबे ने बताया कि विगत चार पांच दिन से लाईन ओवरलोड होने से रोज तार टूट रहे हैं। हीरापुर के लोगों के द्वारा जाकर स्वयं तार जोड़े गये गुरुवार को बाखर वालों के खेत में तार टूट गया जिसे खेत मालिक द्वारा तार जोड़ने पर असहमति जताई गई। क्योंकि उनके खेत में पिछले वर्ष तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। बिजली विभाग द्वारा उक्त किसान को तार बदलने का आश्वासन दिया गया था जो एक साल में भी नही बदला गया है। हीरापुर लाईन का तार बदलने के बाद लोड सेट हो गया था कुछ डीपियां अटल ज्योति से जोड़ दी गई थी।जिस के बाद लाईन सही चलने लगी थी। लेकिन कुछ अधिकारियों के द्वारा पुनः डीपियां काट दी गई जिससे खेत बाली लाईन पर लोड बढ़ गया और विगत चार पांच दिन से रोज तार टूट रहे हैं। जिससे संपूर्ण ग्राम वासीयो में रोष व्याप्त है। इन्हीं सब समस्याओं को लेकर शुक्रवार को अलसुबह तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर हीरापुर गेट पर समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा चक्काजाम किया जायगा।

चक्काजाम के पूर्व उपभोक्ताओं का कहना था कि उन्हें पांच दिन रेग्युलर 14 घंटे सप्लाई दी जाये जिससे फसलों में पानी की कमी पूर्ति हो सके। जितनी भी डीपी अटल ज्योति से थी लोड सेट के लिए जोड़ी गई थी उन्हें फिर से जोड़ा जाए। जर्जर लाइनों के तार कहीं से भी टूट जाते हैं उन्हें विभागीय कर्मियों द्वारा एक घंटे के भीतर विभाग द्वारा जोड़ा जाए।

बरसात के पूर्व डोभी मुख्य मार्ग पर नाली निर्माण की मांग तेज

छत्तीमाता मंदिर से हाईस्कूल तक जलभराव से परेशान होंगे लोग

डोभी। बरसात का मौसम नजदीक आते ही ग्राम डोभी के मुख्य मार्ग पर रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से छत्तीमाता मंदिर से लेकर हाईस्कूल तक मुख्य सड़क किनारे शीघ्र नाली निर्माण कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगभग दस वर्ष पूर्व इस मार्ग पर सीसी सड़क का निर्माण तो कर दिया गया था लेकिन आज तक नालियों का निर्माण नहीं किया गया। जिसके कारण हर वर्ष बारिश में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही सड़क का पानी सीधे घरों में घुसने लगता है। कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। सड़क किनारे रहने वाले परिवारों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। घरों में पानी भरने से घरेलू सामान खराब हो जाता है तथा गंदगी और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग एवं अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बरसात के पहले नाली निर्माण नहीं कराया गया तो इस वर्ष भी लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। मुख्य मार्ग होने के कारण यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। बरसात में सड़क पर पानी भरने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी होती है। ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले तत्काल सर्वे कराकर छत्तीमाता से हाईस्कूल तक दोनों ओर पक्की नालियों का निर्माण कराया जाए ताकि जलनिकासी की समुचित व्यवस्था हो सके और लोगों को हर वर्ष होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

कैलाश नायक का निधन

गोटेगांव। नगर के गौरादेवी वार्ड, रिप्टा मोहल्ला निवासी एवं समाज सेवी कैलाश नायक का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे सरल, मिलनसार और सामाजिक कार्यों में सक्रिय व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिवारजनों, मित्रों और शुभचिंतकों में शोक की लहर फैल गई।अंतिम संस्कार में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।वे कपिल नायक, राम नायक और श्याम नायक के पूज्य पिताश्री थे।

दूषित पानी का खतरा: नालियों के बीच से गुजर रही पाइपलाइन

गोटेगांव। नगर के जागृति नगर, भगत सिंह वार्ड में पेयजल सप्लाई लाइन नालियों के बीच से गुजरने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में निजी नल कनेक्शन की पाइपलाइन गंदी नाली के भीतर दिखाई दे रही है।स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि इससे घरों तक दूषित पानी पहुँच सकता है, जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। पार्षद प्रतिनिधि जगदीश श्रीवास ने नगर पालिका से तत्काल पाइपलाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

खरीदी केंद्रों की कतार में किसान: "अन्नदाता" से "याचक" बनने की विडंबना

गोटेगांव/नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले की उपजाऊ धरती पर इन दिनों समर्थन मूल्य खरीदी का दौर चल रहा है, लेकिन किसानों के लिए यह प्रक्रिया राहत से अधिक परेशानी का कारण बनती जा रही है। खरीदी केंद्रों पर लंबी कतारें, नमी के नाम पर आपत्तियाँ, सर्वर की समस्या और तुलाई में देरी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा जाए तो "मुस्कराइए, आप कतार में हैं।" खेत में छह महीने मेहनत करने वाला किसान आज अपनी ही उपज बेचने के लिए घंटों लाइन में खड़ा होकर प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जूझ रहा है।

नमी और सर्वर बने सबसे बड़ी बाधा

खरीदी केंद्रों पर अक्सर किसानों को यह कहकर रोका जाता है कि अनाज में नमी अधिक है। दूसरी ओर, पोर्टल और सर्वर की तकनीकी दिक्कतों के कारण पंजीयन और तुलाई में

विलंब हो रहा है। किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ खुले आसमान के नीचे इंतजार करने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि चुनाव के समय उन्हें "अन्नदाता" कहा जाता है, लेकिन खरीदी केंद्रों की समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों की सक्रियता नजर नहीं आती। किसान चाहते हैं कि व्यवस्था में सुधार हो और खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। गाडरवारा से गोटेगांव तक के किसान समय पर तुलाई और भुगतान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि खेत का मालिक आज अपनी ही उपज के लिए व्यवस्था के सामने प्रार्थी बन गया है।